SEM -5 पेपर-302 में

आपका स्वागत हैं।

भाषा के अभिलक्षण

- भाषा का अर्थ -बोलना अथवा कहना
- भाषा के दो रुप -मानव भाषा और मानवेतर भाषा
- भाषा के माध्यम- दृष्टि,स्पर्श,गंध,ध्वनि,श्रवण,

भाषा की परिभाषा-

- **महर्षि पतंजलि** ने लिखा है- व्यक्ता वाचि वर्णा येषां त इमे व्यक्त वाचः॥ (जो वाणी वर्णों में व्यक्त होती है. उसे भाषा कहते है।)

भाषा के अभिलक्षण

- पाश्चात्य मत
- 1.क्रोचे- Language is articulate, limited, organised sound employed in expression.
- अर्थात् अभिव्यंजना के लिए प्रयुक्त स्पष्ट, सीमित तथा सुसंगठित ध्वनि को भाषा कहते हैं।

"मैं भाषा को वाक्यों का एक समूह समझता हूँ जो निश्चित तत्वों के समूह से संरचित होते हैं।"

चाम्स्की

भाषा के अभिलक्षण

- **डॉ० भोलानाथ तिवारी** -"भाषा, उच्चारण अवयवों से उच्चरित यादृच्छिक ध्वनि प्रतीकों की वह व्यवस्था है, जिसके द्वारा समाज-विशेष के लोग आपस में विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।"
- **पी०डी० गुणे** - "शब्दों द्वारा हृद्गत नावों तथा विचारों का प्रकटीकरण ही भाषा है।"
- **सुकुमार सेन** - "अर्थवान, कण्ठ से निःसृत ध्वनि-समष्टि ही भाषा है।“
- **"भाषा, उच्चारण-अवयवों से निःसृत विश्लेषण योग्य, सार्थक, यादृच्छिक ध्वनि-प्रतीकों की वह व्यवस्था है, जिसके माध्यम से समाज के एक विशेष वर्ग के लोग परस्पर विचार-विनिमय करते हैं।"**

भाषा के अभिलक्षण

- 1. यादृच्छिकता,
- 2. सृजनात्मकता
- 3. अनुकरणग्राह्यता
- 4. परिवर्तनशीलता,
- 5. विविक्तता,
- 6. द्वैतता
- 7. भूमिकाओं का पारस्परिक परिवर्तन,
- 8. अंतरणता
- 9 असहजवृत्तिकता

भाषा के अभिलक्षण

- **1. यादृच्छिकता-**'यादृच्छिकता' का अर्थ है- समूह द्वारा माना हुआ।
- हमारी भाषा में किसी वस्तु या भाव का किसी शब्द के साथ सहज-स्वाभाविक संबंध नहीं है।
- यदि सहज-स्वाभाविक संबंध होता है,तो ‘पानी के लिए सभी भाषाएं ‘पानी ‘का ही उपयोग करती है।

भाषा के अभिलक्षण

- **2. सृर्जनात्मकता-** (Creativity) मानवीय भाषा की मूलभूत विशेषता उसकी सृजनात्मकता है। सीमित शब्दों को ही भिन्न-भिन्न ढंग से प्रयुक्त कर वह अपने भावों को अभिव्यक्त करता है।जैसे - ‘ नए ‘ , ‘ तुम ‘ , ‘ वहां ‘ , ‘ बुलवाना ‘ इन चार शब्दों से बहुत सारे नए वाक्यों का सृजन किया जा सकता है -
- १ मैंने उसे तुम से बुलवाया।
- २ मैंने उन्हें तुमसे बुलवाया।
- ३ उसने मुझे तुम से बुलवाया।
- ४ उसने तुम्हें मुझ से बुलवाया।

भाषा के अभिलक्षण

- **3. अनुकरणग्राह्यता-** मानवीय भाषा जन्मजात नहीं होती।
- विशेष भाषा - भाषी समाज के सदस्य जैसा बोलते हैं , बच्चा भी उन्हीं ध्वनियों का अनुकरण कर बोलने की क्षमता विकसित करता है।
- यदि माता - पिता, ‘ पीने ‘ के पदार्थ को ‘ पानी ‘ तथा ‘ खाने ‘ के पदार्थ को ‘ रोटी ‘ कहते हैं तो बच्चा भी ‘ पा ‘ , पानी ‘ रोती ‘ और रोटी का उच्चारण करते हुए उच्चारण के अनुकरण की पूर्णता प्राप्त करने का प्रयत्न करता है।